Dr.pragya kumari
Asst.prof.
Dept.of psychology
H.D.Jain college Ara

Scanned with CamScanner

प्रभावित हो जाने से अपने आप को बचाना होता है।

Broadbent model के अनुसार सूचना के भौतिक गुणों के आधार पर हम उसका चयन करते हैं या उसे एक तरह से छानते हैं तथा उस पर ध्यान दे पाते हैं, जैसे व्यक्ति high pitched voice पर ध्यान दे पाता है तथा low pitched voice पर नहीं, ऐसा इसलिए होता है कि निम्नस्तरीय आवाज मार्गविरोधक को पार करने में असमर्थ रहते हैं।

Treisman, 1964 जो एक महिला मनोवैज्ञानिक थी और Broadbent की शिष्या थी, Broadbent model में थोड़ा परिवर्तन कर उसे अधिक उपयोगी बनाने की कोशिश की। इस model को Filter attenuation model कहा जाता है। इस model के अनुसार व्यक्ति जिस कान से प्राप्त सूचना पर ध्यान नहीं दे पाता है, वह संसाधित होने से पूर्णतः अवरुद्ध नहीं हो जाता है बल्कि उसका स्वरूप थोड़ा सूक्ष्म हो जाता है और मात्र इसका

आंशिक विश्लेषण ही व्यक्ति कर पाता है। यही कारण है कि ध्यान नहीं दी गयी सूचना को कुछ विशेषताओं से भी व्यक्ति अवगत हो जाता है। Treisman ने Broadbent theory के इस पाते का खंडन किया है कि सूचनाओं के संसाधन की प्रारंभिक अवस्था में ही मार्गविरोध के कारण बहुत सारे सूचनाओं पर व्यक्ति ध्यान नहीं दे पाता है। अतः उनका अस्तित्व इस आरंभिक अवस्था में ही समाप्त हो जाता है। Treisman द्वारा किया गया यह खंडन उनके द्वारा किये गये एक प्रयोग के परिणाम पर आधारित है। Treisman द्वारा प्रतिपादित Felter attenuation theory की मुख्य बातें यह है कि Filter की प्रक्रिया एक सम्पूर्ण या कुछ नहीं प्रक्रिया नहीं है। Filter से अस्वीकृत सूचनाएँ बिलकुल व्यक्ति ध्यान नहीं दे पाता है पूर्णतः समाप्त नहीं हो जाती है बल्कि उनकी शक्ति थोड़ी क्षीण अवश्य हो जाती है। कुछ विशेष परिस्थिति में ऐसी क्षीण सूचना भी प्रत्यक्षणात्मक तंत्र के उच्च स्तरीय विश्लेषण से सम्पर्क कर लेती है।

अब प्रश्न यह उठता है कि

ध्यान नहीं दी जानेवाली सूचनाओं में से कुछ सूचना द्वारा चेतन मन में प्रवेश कर पाने की घटना की व्याख्या Treisman ने अपने model में किस तरह किया है? Treisman का कहना है कि प्रत्यक्षज्ञानात्मक विश्लेषक इकाइयों में कुछ अतिरिक्त गुणों के होने की पूर्वकल्पना है। इनका कहना था कि इन इकाइयों में से जो इकाई महत्वपूर्ण सूचनाओं के प्रति अनुक्रियाशील होते हैं। उनका देहली अन्य इकाईयों के देहली की तुलना में कम होती है। अतः इन इकाइयों द्वारा उन उद्दीपकों का भी जिनकी शक्ति filter क्रम द्वारा क्षीण कर दी गयी है, प्रत्यक्षण ठीक ढंग से हो जाता है। फलतः व्यक्ति ऐसे क्षीण उद्दीपक या सूचना पर भी ध्यान देने में समर्थ हो जाता है।

इस तरह से हम देखते हैं कि Treisman द्वारा Broadbent के filter model में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाया गया है और इन परिवर्तनों या सुधार को Broadbent द्वारा भी स्वीकार कर लिया गया है। अतः इस model को आधुनिक मनोवैज्ञानिक द्वारा Broadbent - Treisman Filter Attenuation model कहा गया है।

Scanned with CamScanner